आदरणीय श्री नरेंद्र मोदी जी ,

सादर नमस्कार।

आशा है आप स्वस्थ होंगे। यह पत्र में जवाहर नवोदय विद्यालयों के बारे में लिख रहा हूं, जो मानव संसाधन विकास मंत्रालय के अधीनस्थ एक स्वायत्तशासी संस्थान नवोदय विद्यालय समिति के अंतर्गत आते हैं और सह शैक्षिक आवासीय विद्यालय हैं। जवाहर नवोदय विद्यालय सन् 1985 में इस उद्देश्य से शुरू किए गए की ग्रामीण प्रतिभावान विद्यार्थियों को गुणात्मक शिक्षा प्रदान की जाए ये नवोदय विद्यालय पिछले दो दशकों से लगातार पूरे देश में केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड से संबंधित सभी स्कूलों में सर्वोत्तम परिणाम देते आ रहे हैं।

ये केवल और केवल शैक्षणिक संस्थान हैं, जो अधिकांश दुर्गम और ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित है जहां अध्यापक शिक्षण कार्य के अतिरिक्त सदन प्रभारियों के रूप में कार्य करते हैं और 24 घंटे विद्यालय में रहकर ड्यूटी करते हैं नवोदय विद्यालय समिति में लगभग 20,000 कर्मचारी हैं। जिनमें से लगभग 12,000 कर्मचारी दिनांक 01.01.2004 से पूर्व से सेवा में हैं।

वे संस्थान जैसे KVS ,CTSE, NCERT, NIOS आदि, जो नवोदय विद्यालय समिति संस्धान की बेहतर और गुणात्मक कार्य की तुलना में कहीं दूर है, को GPF- CUM-PENSION SCHEME 1972 प्रदान की गई है, जबकि नवोदय विद्यालय समिति के कर्मचारी जो दुर्गम ग्रामीण क्षेत्रों की विकट परिस्थितियों में भी कठोरतम कार्य करने में उत्तम है, को वंचित किया हुआ है।

यह भी संज्ञान में आया है कि ये संस्थान -NIOS, IUC, IUCAA, CRC, NAAC, NBA, ASSAM UNIVERSITY, NCTE, TEJPUR UNIVERSITY और कई अन्य, ये सब जो नवोदय विद्यालय समिति के बाद स्थापित हुए हैं, जिन्हे GPF-CUM-PENSION स्कीम 1972 स्वीकृत कर दी गई हैं, जबकी नवोदय विद्यालय समिति को वंचित रखा हुआ है, जो बहुत ही दयनीय और विचारणीय बात है।

अतः मैं विनम्रता पूर्वक पूरजोर निवेदन करता हूँ कि नवोदय विद्यालय समिति के इन कर्मचारियो, जिन्होने 01/01/2004 से पुर्व JOIN किया है, को GPF-CUM-PENSION स्कीम 1972 प्रदान करने का प्रस्ताव स्वीकार करने की कृपा करें, जो उनकी बहुत ही लम्बित और जायज मांग है। मैं आपकी इस अनुकम्पा के लिए बहुत - बहुत कृतज्ञ रहूँगा।

शुभकामनाओं सहित। धन्यवाद

आपका